ॐ जय महावीर प्रभु, स्वामी जय महावीर प्रभु कुण्डलपुर अवतारी, चांदनपुर अवतारी, त्रिशलानंद विभु Bhajans Bhakti Songs

ॐ जय महावीर प्रभु, स्वामी जय महावीर प्रभु ।
कुण्डलपुर अवतारी, चांदनपुर अवतारी, त्रिशलानंद विभु ॥

सिध्धारथ घर जन्मे, वैभव था भारी ।
बाल ब्रह्मचारी व्रत, पाल्यो तप धारी ॥

आतम ज्ञान विरागी, सम दृष्टि धारी ।
माया मोह विनाशक, ज्ञान ज्योति जारी ॥

जग में पाठ अहिंसा आप ही विस्तारयो ।
हिंसा पाप मिटा कर, सुधर्म परिचारियो ॥

अमर चंद को सपना तुमने परभू दीना ।
मंदिर तीन शेखर का निर्मित है कीना ॥

जयपुर नृप भी तेरे, अतिशय के सेवी ।

एक ग्राम तिन्ह दीनो, सेवा हित यह भी ॥

जल में भिन्न कमल जो घर में बाल यति ।
राज पाठ सब त्यागे, ममता मोह हती ॥

भूमंडल चंदनपुर मंदिर मध्य लसे
शांत जिनिश्वर मूरत दर्शन पाप लसे ॥

जो कोई तेरे दर पर इच्छा कर आवे ।
धन सुत्त सब कुछ पावे, संकट मिट जावे ॥

निशदिन प्रभु मंदिर में जगमग ज्योत जरे ।

Source: https://www.bharattemples.com/om-jai-mahavir-prabhu/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw